बच्चों के बारे में

गोरख पाण्डेय

बच्चों के बारे में बनाई गईं ढेर सारी योजनाएं
ढेर सारी कविताएं लिखी गईं
बच्चों के बारे में
बच्चों के लिए खोले गए ढेर सारे स्कूल
ढेर सारी किताबें बांटी गईं
बच्चों के लिए
बच्चे बड़े हुए
जहां थे वहां से
उठ खड़े हुए बच्चे
बच्चों में से कुछ बच्चे
हुए हाकिम, नेता और दलाल
बच्चों में से कुछ बच्चों ने
तोड़ा पत्थर सड़क पर
दुकान में धोई प्यालियां
टट्टीघर साफ किया
तमाचे खाए
बाजार में बिके कौड़ियों के मोल
और गटर में गिर पड़े
बच्चों में से कुछ बच्चों ने
आगे चलकर फिर बनाई योजनाएं
बच्चों के बारे में
लिखी कविताएं
स्कूल खोले
किताबें बांटी
बच्चों के लिए

('उसका नाम है आज' कविता संग्रह से साभार)